पाठ ११ असम का पर्व- बिहू

ODM EDUCATIONAL GROUP

Changing your Tomorrow

- CLASS: V
- SESSION NO : 10
- SUBJECT : HINDI
- CHAPTER NUMBER: 11
- TOPIC: पाठ ११ असम का पर्व- बिहू
- SUB TOPIC: पाठ विश्लेषण, शब्दार्थ

CHANGING YOUR TOMORROW

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org

Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

पाठ ११ असम का पर्व- बिहू

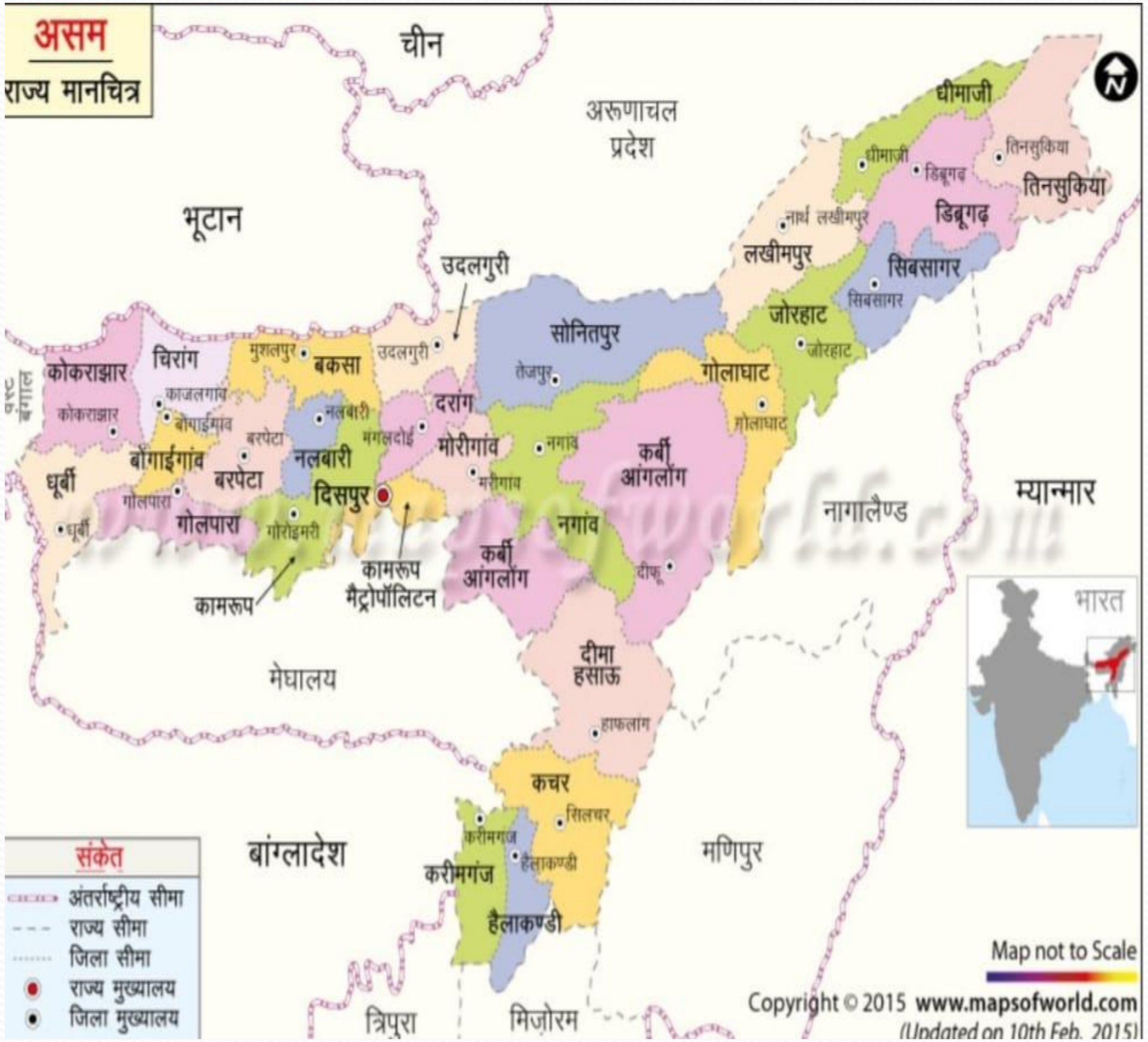

शिक्षण उद्देश्य

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

- भारत के उत्तर पूर्वी राज्य 'असम' के पर्व त्योहार तथा उससे संबंधित जानकारी देना ।
- बच्चों में शब्द ज्ञान की वृद्धि करना।
- लेखन एवं वाचन कौशल का विकास करना।
- शब्दों का सही उच्चारण एवं वाक्य में उसका प्रयोग करना।

चिंतन - मनन

वह राष्ट्र उतना ही विकसित होगा जहाँ अधिक पर्व तथा त्योहार होंगे। विश्व में भारत अनेकता में एकता का उदाहरण है।

भारत त्योहारों व पर्वों का देश है। यहाँ वर्ष भर कोई-न-कोई पर्व आता ही रहता है। इन पर्वों में भारतीय संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। भारत के अनेक पर्वों में असम का 'बिहू' सबसे बड़ा पर्व है। 'बिहू' के अवसर पर ऊँच-नीच, अमीरी-गरीबी के भेदभाव मिट जाते हैं। सभी साथ मिलकर हर्ष और उल्लास के साथ यह पर्व मनाते हैं।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

बिहू पर्व अन्य पर्वों से भिन्न है क्योंकि यह एक वर्ष में तीन बार मनाया जाता है। बोहाग बिहू, कार्तिक बिहू और माघ बिहू। इन तीनों में सर्वाधिक महत्व 'बोहाग बिहू' का है। यह वसंत, नववर्ष तथा कृषि–तीनों का पर्व है। वसंत ऋतु के स्वागत में प्रकृति सजी रहती है।

इस मौसम में किसान अपने खेतों को जोतकर तैयार कर लेते हैं। इस काम में परिवार का हर सदस्य भाग लेता है। 'बोहाग बिहू' के दिन पशुशालाओं की लिपाई-पुताई होती है। साफ़-सफ़ाई की ओर ध्यान दिया जाता है।

इस कार्य का उद्देश्य शुद्धिकरण होता है। इसके बाद लोग नाच-गाकर मनोरंजन करते हैं। खेती में पशु किसानों के लिए आदरणीय हैं इसलिए 'बिहू पर्व' पर इनका पूजन-होता है। एक दिन के लिए इन प्राणियों को खुला छोड़ दिया जाता है ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

असम के निवासियों के लिए नववर्ष का आरंभ इसी समय में होता है। नववर्ष का दिन 'मानहु बिहू' के नाम से जाना जाता है । इस दिन बच्चों को उनकी रुचि के अनुसार उपहार दिया जाता है। लोग पंचांग सुनते हैं तथा एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएँ देते हैं।

फ़सल की कटाई पर 'माघ बिहू' जनवरी में मनाया जाता है। फ़सल से जब कृषकों के घर भर जाते हैं तो किसानों का हृदय आनंद से भर जाता है। इस आनंद को व्यक्त करने के लिए 'भोगाली बिहू' मनाया जाता है।

इस अवसर पर प्रत्येक घर में विशेष रूप से 'भोज' का आयोजन होता है। यहाँ का मुख्यआहार 'चावल' है, इसी कारण इस दिन चावल की स्वादिष्ट मिठाइयाँ बनाई जाती हैं।चावल के पुए, लारू-पीठा जैसे व्यंजन बनाए जाते हैं।

इस दिन आहार में मछलियों का समावेश होता है। सामूहिक रूप से युवक और बालक इस पर्व पर 'प्रीतिभोज' का आयोजन करते हैं।

पूरी रात खाना-पीना और नाचना-गाना चलता है। इसी समय 'होलिका दहन' की तरह 'होली को जलाया जाता है। इसे 'भेजी बिहू' कहाजाता है।

सामूहिक रूप से तथा पारिवारिक रूप से मनाया जाने वाला पर्व उमंग, उल्लास से भरा रहता है। बिहू पर्व जाति-भेद को भूलकर मनाया जाने वाला पर्व है, इस कारण इसे 'राष्ट्रीय-एकात्मकता का पर्व' भी कहा जा सकता है।

शब्दार्थ

उल्लास - आनंद,खुशी
लिपाई-पुताई - घरों को रगना
शुद्धिकरण - शुद्ध या पवित्र करने का कार्य , स्वच्छता
मनोरंजन - दिल बहलाव ,मन को रंजन करना
रंजन - प्रसन्न करना
पंचांग - हिंदू कैलेंडर जिससे नक्षत्र , तिथि , शुभ एवं अशुभ की जानकारी मिलती है।
कृषक - किसान, खेती करने वाला
स्वादिष्ट - रुचिकर
प्रीतिभोज - किसी सुखद अवसर पर बंधु- बांधवों ,मित्रों को अपने यहाँ बुलाकर कराया जाने वाला भोजन
दहन - जलाना
उमंग - उत्साह ,खुशी
आयोजन - प्रबंध, इंतजाम
उपहार - भेंट

गृहकार्य

कक्षा कार्य कॉपी में दो बार लिखिए।

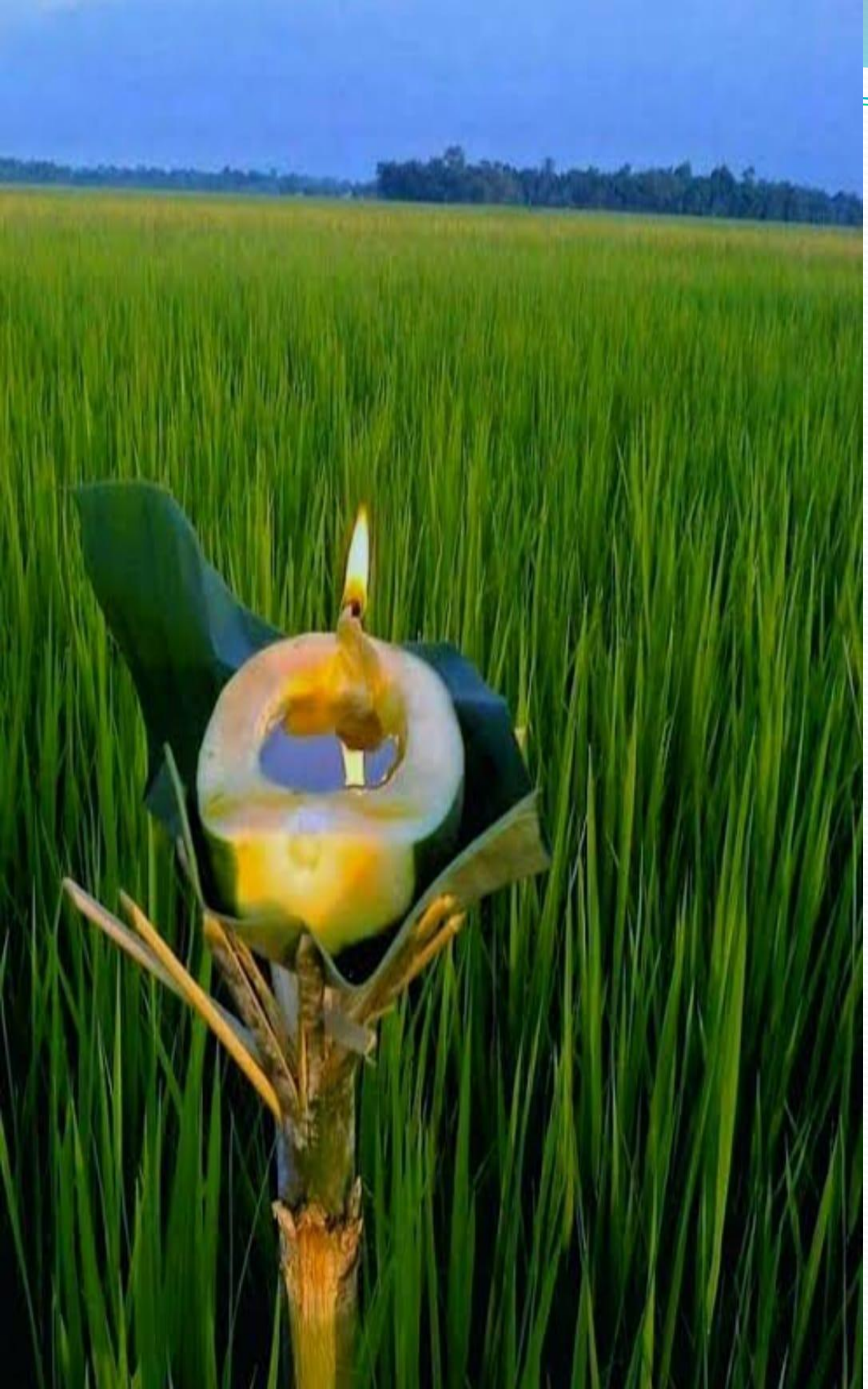

शिक्षण प्रतिफल

- बच्चों ने नए शब्दों को सीखा।
- लेखन एवं वाचन कौशल में वृद्धि हुई।
- भाषा में शब्द का सही प्रयोग सीखा।
- पाठ से संबंधित जानकारी हासिल हुई।

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP